Smuggling of non-basmati rice from Kaklnada Port

2290. SHRI HUKMDEO NARAYAN ^ADAV: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

>„ <a) whether it is a fact that over 10.000 metric tonnes of non-basmati rice which was a licenced commodity at that time worth over Rs. 4 Crores *iwas* smuggled out of India from Kakinada Port during the year 19-82 sin the name of National Consunter Co. 'Sgjerative Federation; -and

-, (b) if so what action, if any, has been taken in the matter?

«; = THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND FOOD AND CIVIL SUPPLIES .j(SHRI AJIT PANJA): (la)' and _(b) National Cooperative Consu-' Thfrrs' Federation has reported that a quantity of .about 9,300 MTs. of non, basmati rice was unauthorisedly ex' ported by a private firm using the> name of National Cooperative Consumers' Federation. They ' have further reported that a criminal case has been filed by the National Cooperative Consumers' Federation in the •court of the Chief Metropolitan Magistrate, Bomby, against the party involved.

बिहार में पर्यटक स्थलों का विकास

2291. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **संसदीय कार्य और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार में देवघर का शिव मंदिर, अनेक जैन तथा बौद्ध मंदिर, सीता कुंड, ऋषिकुण्ड, भीम बांध, गर्म जल का चश्मा, हजारी बाग का राष्ट्रीय वन और वहां की एक विशाल झील आदि जैसे अनेक धार्मिक, ऐतिहासिक और सुन्दर स्थल हैं; यदि हां, तो क्या केन्द्रीय सरकार इन स्थानों का विकास करने का विचार रखती है ; और

(ख) क्या यह भी सच है कि केन्द्रीय सरकार ने इन स्थानों के बारे में सूचना देने वाला कोई साहित्य भी तैयार नहीं किया है और न ही स्थानों की यात्रा करने के लिए परिवहन सुविधा प्रदान करने संबंधी कोई प्रबंध किए हैं; यदि हां, तो निकट भविष्य में सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

संसदीय कार्य और पर्यटन मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) : (क) जी हाँ पर्यटन विभाग ने बिहार सरकार के परामर्श से राज्य में 20 पर्यटक-केन्द्र अभिनिर्धारित किए हैं, जिनमें भीम डैम (भीमबांध)* और हजारीबाग शामिल है, जिनका केन्द्र, राज्य और निजी क्षेत्र के मिश्रित संसाधनों, द्वारा अवस्थाबद्ध रूप से विकास किया जाएगा । राज्य सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्तावों पर परस्पर प्राथमिकता और धन-राशि की उपलब्धता पर केन्द्रीय सहायता प्रदान की जाती है ।

(ख) जी, नहीं । वास्तविकता यह नहीं है । केन्द्रीय पर्यटन विभाग द्वारा तैयार किए गए संवर्धनात्मक प्रचार साहित्य में देवघर, भीमडैम, हजारीबाग आदि जैसे पर्यटक-स्थल शामिल हैं । हजारीबाग राष्ट्रीय उद्यान में वन्य जीवन विहार स्थल को देखने के लिए विभाग ने 1981-82 में एक मिनी बस खरीदने के लिए धनराशि रिलीज की थी ।

पर्यटन से सम्बन्धित साहित्य का हिन्दी में प्रकाशन

2292. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **संसदीय कार्य और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पर्यटन विभाग ने संसदीय कार्य विभाग के साथ अपना विलय होने से पूर्व स्वर्गीय प्रधान मंत्री के नाम पर "इंदिराजी" शीर्षक से एक हिन्दी मासिक पत्रिका निकालने का निर्णय किया था और इस प्रयोजन के लिए एक तारीख भी निश्चित कर ली गई थी; यदि हां, तो इस संबंध में अभी तक क्या कार्यवाही की गई है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इसके विलयन के कारणवश पर्यटन मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति को भी भंग कर दिया गया है और न तो एक नई समिति गठित की गई है और न ही पूर्ववर्ती समिति का सभी संसदीय कार्य विभाग की हिन्दी सलाहकार समिति में विलय किया गया है ; और

(ग) क्या देश में पर्यटन से संबंधित साहित्य निबन्धों और अन्य जानकारी का हिन्दी में पूर्णतया अभाव है ; यदि हां, तो इस संबंध में विभाग क्या कदम उठाने का विचार रखता है ?

संसदीय कार्य और पर्यटन मंत्री (श्री एच के० एल० भगत) :

(क) जी हां। भूतपूर्व पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय के पास इस प्रकार का एक प्रस्ताव विचाराधीन था। कुछ पूर्व धारणाओं में, जिनके आधार पर यह प्रस्ताव बनाया गया था, पर्यटन के नागर विमानन से अलग हो जाने पर और संसदीय कार्य और पर्यटन के रूप में नए मंत्रालय के गठन के पश्चात, परिवर्तन हो गया। इसलिए प्रस्ताव पर पुनर्विचार करना पड़ा और अब यह पुनर्विचार की प्रक्रिया में है।

(ख) जी नहीं। यह निर्णय लिया गया है कि पर्यटन विभाग की एक अलग से हिन्दी सलाहकार समिति बनाई गई। संसदीय कार्य विभाग और राजभाषा विभाग आदि से परामर्श करते हुए समिति के गठन को अन्तिम रूप दिया जा रहा है। संसदीय कार्य विभाग की अलग से एक हिन्दी सलाहकार समिति है एक सितम्बर, 1985 में पुनः गठित होने के बाद दो बैठकें कर चुका है।

(ग) जी नहीं, । पर्यटन विभाग ने भारत में पर्यटक अभिरुचि के स्थानों पर हिन्दी में ब्रोशर्स और फोल्डर्स प्रकाशित किए हैं और यह प्रक्रिया जारी है।

. SHRI NATHA SINGH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government have re-.ceived any representation from some Members of Parliament regarding the repbsting of Intelligence Officers in the Directorate of Anti-Evasion, and if so, whether the same have since been considered by Government in the light of the impIementafTon of the recommendations made by the Department of Women's Welfare *vide* their Circular No. 3-265175-WW dated the 28th February, 1976; and

(b) if the answer to part (a) above be in the negative, what are the reasons for delay and b.y when such cases are likely to be disposed off?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI); (a) and (b) A request was received from a Member of Parliament in January. 1986 for transfer of an Intelligence Officer of the Directorate of Anti-.Evasion from Indore to Delhi. .The request was examined and it was found that the concerned officer was posted to Indore only in May, 1985 and was not yet due for a transfer. Moreover, Ministerial officers promoted to the grade of InleTagence • Officers lack field experience and it is necessary to give- them suah experience. However, efforts are made to keep husband and wife, when both are in service, at the same station, subject to administrative exigencies. Keeping in view these considerations, such requests for re-posting of Intelligence Officers are considered at ihe appropriate time by the concerned authorities.

Posting of Intelligence Officer^

'

2
2
9
3

सीवर लाइनों की सफाई करने वाले कर्मकारों के लिए जीवन बीमा

2294. **श्री अच्छे लाल बाल्मीक :** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सीवर लाइनों की सफाई करने वाले श्रमिकों का कार्य उनके जीवन